संशोधित अनुमान, 2002-2003

वर्ष 2002-2003 के लिए व्यय के संशोधित अनुमान में बजट अनुमानों की तुलना में 6,296 करोड़ रुपए की निवल कमी दर्शायी गई है। यद्यपि, कतिपय क्षेत्रों में व्यय में वृद्धि हुई है, फिर भी इसे अन्य क्षेत्रों में हुई कमी द्वारा प्रतिसंतुलित कर लिया गया है। जहां आयोजना-भिन्न व्यय में 6,885 करोड़ रुपए की कमी हुई है वहीं आयोजना व्यय में 589 करोड़ रुपए की वृद्धि हूई है। जिन प्रमुख मदों में घट-बढ़ हुई है उन्हें नीचे दर्शाया गया है :–

(करोड़ रुपए)

	बजट 2002-03	संशोधित 2002-03	घट-बढ़
आयोजना-भिन्न			
1. ब्याज संदाय	117390	115663	(-) 1727
2. रक्षा	65000	56000	(-) 9000
3. खाद्य सब्सिडी	21200	24200	(+) 3000
4. देशी उर्वरकों पर सब्सिडी	6499	7499	(+) 1000
5. डाक घाटा	1107	1431	(+) 324
6. ब्याज सब्सिडी	156	765	(+) 609
7. राज्यों को अनुदान/ऋण	19051	16867	(-) 2184
8. पूर्व-भुगतान प्रीमियम	...	331	(+) 331
9. सरकारी उद्यमों को अनुदान/ऋण	1510	2622	(+) 1112
10. अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	64896	64546	(-) 350
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय	**296809**	**289924**	(-) **6885**
आयोजना			
1. केन्द्रीय आयोजना	66871	68218	(+) 1347
2. राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	46629	45871	(-) 758
जोड़ (आयोजना) व्यय	**113500**	**114089**	**(+) 589**

आयोजना-भिन्न

1. ब्याज दरों और सरकारी प्रतिभूतियों के पुनःनिर्गम पर अर्जित प्रीमियम में कमी के कारण।
2. कम पूंजी व्यय के कारण।
3. एफसीआई के पास पड़े भंडारों की वहन लागत और सूखा राहत के लिए भंडारों की निकासी।
4. वृद्धि मुख्यतः 7वीं और 8वीं योजनावधि के अधीन बकाए के भुगतान के कारण है।
5. यह डाक विभाग के कार्यचालन व्यय में वृद्धि के कारण है।
6. वृद्धि सरकारी क्षेत्र के उद्यमों के पास बकाया सरकारी ऋणों पर उनकी वित्तीय पुनर्संरचना के भाग के रूप में ब्याज को बट्टे खाते डालने के कारण है।
7. कभी अन्यों के अतिरिक्त "राजकोषीय प्रोत्साहन निधि" के अधीन निधियों का उपयोग नहीं करने के कारण है।
8. उच्च लागत वाले विदेशी ऋण समाप्त करने के लिए पूर्व-भुगतान प्रीमियम।
9. वृद्धि मुख्यतः सरकारी क्षेत्र के रुग्ण उपक्रमों के संसाधनों में कमी की पूर्ति के लिए है ताकि वे वेतन और मजूदरी और स्वैच्छिक पृथक्करण योजना के लिए भी भुगतान करने और सांविधिक बकाए का भुगतान करने में समर्थ हो सकें।

आयोजना

1. आयोजना व्यय में वृद्धि मुख्यतः ग्रामीण विकास, दिल्ली मेट्रो रेल निगम और दूरसंचार के लिए बढ़े हुए परिव्यय के कारण है।
2. विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं, पूर्वोत्तर और सिक्किम के लिए संसाधनों के केन्द्रीय पूल तथा अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता के अधीन वृद्धि और सामान्य केन्द्रीय सहायता, त्वरित विद्युत विकास कार्यक्रम और विकास तथा सुधार सुविधा में कमी के निवल प्रभाव से कमी हुई है।